|| सालासर हनुमान आरती ||

|| Salasar Hanuman Ji Ki Aarti ||

जयति जय जय बजरंग बाला, कृपा कर सालासर वाला ||

चैत सुदी पूनम को जन्मे, अंजनी पवन खुशी मन में |

प्रकट भए सुर वानर तन में, विदित यश विक्रम त्रिभुवन में |

दूध पीवत स्तन मात के, नजर गई नभ ओर |

तब जननी की गोद से पहुंच, उदयाचल पर भोर |

अरुण फल लखि रवि मुख डाला | कृपा कर सालासर वाला |1|

तिमिर भूमण्डल में छाई, चिबुक पर इंद्र वज्र बाए |

तभी से हनुमत कहलाए, द्वय हनुमान नाम पाये |

उस अवसर में रुक गयो, पवन सर्व उन्चास |

इधर हो गयो अंधकार, उत रुक्यो विश्व को श्वास |

भए ब्रह्मादिक बेहाला | कृपा कर सालासर वाला |2|

देव सब आए तुम्हारे आगे, सकल मिल विनय करन लागे |

पवन कू भी लाए संग, क्रोध सब पवन तना भागे |

सभी देवता वर दियो, अरज करी कर जोड़ |

सुनके सबकी अरज गरज, लखि दिया रवि को छोड़ |

हो गया जग में उजियाला | कृपा कर सालासर वाला |3|

रहे सुग्रीव पास जाई, आ गए वन में रघुराई |

हरी रावण सीतामाई, विकल फिरते दोनों भाई |

विप्र रूप धरि राम को, कहा आप सब हाल |

कपि पति से करवाई मित्रता, मार दिया कपि बाल |

दुःख सुग्रीव तना टाला | कृपा कर सालासर वाला |4|

आज्ञा ले रघुपति की धाया, लंक में सिंधु लांघ आया |

हाल सीता का लख पाया, मुद्रिका दे वनफल खाया |

वन विध्वंस दशकंध सुत, वध कर लंक जलाय |

चूड़ामणि संदेश सिया का, दिया राम को आय |

हुए खुश त्रिभुवन भूपाला | कृपा कर सालासर वाला |5|

जोड़ी कपि दल रघुवर चाला, कटक हित सिंधु बांध डाला |

युद्ध रच दीन्हा विकराला, कियो राक्षसकुल पैमाला |

लक्ष्मण को शक्ति लगी, लायौ गिरी उठाय |

देइ संजीवन लखन जियाए, रघुबर हर्ष सवाय |

गरब सब रावन का गाला | कृपा कर सालासर वाला |6|

रची अहिरावन ने माया, सोवते राम लखन लाया |

बने वहां देवी की काया, करने को अपना चित चाया |

अहिरावन रावन हत्यौ, फेर हाथ को हाथ |

मंत्र विभीषण पाय आप को, हो गयो लंका नाथ |

खुल गया करमा का ताला || कृपा कर सालासर वाला |7|

अयोध्या राम राज्य कीना, आपको दास बना दीना |

अतुल बल घृत सिंदूर दीना, लसत तन रूप रंग भीना |

चिरंजीव प्रभु ने कियो, जग में दियो पुजाय |

जो कोई निश्चय कर के ध्यावे, ताकी करो सहाय |

कष्ट सब भक्तन का टाला | कृपा कर सालासर वाला |8|

भक्तजन चरण कमल सेवे, जात आत सालासर देवे |

ध्वजा नारियल भोग देवे, मनोरथ सिद्धि कर लेवे |

कारज सारों भक्त के, सदा करो कल्याण |

विप्र निवासी लक्ष्मणगढ़ के, बालकृष्ण धर ध्यान |

नाम की जपे सदा माला | कृपा कर सालासर वाला |9|

www.hanumanchalisalyric.com